जापानीज इन्सेफलाईटिस (दिमागी बुखार)

लक्षण :-

१- अचानक तेज बुखार
२- भयानक सिरदर्द
३- गर्दन का अकड़ना
४- शरीर का अकड़ना
५- शरीर में झटके लगना
६- मतली व उल्टी आना
७- आधी अथवा पूरी बेहोशी

कारण :-

जापानीज इन्सेफलाईटिस या दिमागी बुखार वायरस (विषाणु) से होने वाला रोग है जो कि क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छर द्वारा फैलाया जाता है। यह वायरस मुख्यतः सुअरों में बढ़ता व पनपता है। संक्रमित सुअर का रक्त पीने के बाद यदि क्यूलेक्स मच्छर मनुष्य को काटती है तो मनुष्य इस रोग से संक्रमित हो जाता है। यह वायरस मनुष्य के मस्तिष्क के भागों में स्पाइनल कार्ड तथा मस्तिष्क की झिल्लियों में सूजन पैदा करता है।

जापानीज इन्सेफलाईटिस या दिमागी बुखार वर्षा ऋतु या इसके बाद होता है। इस रोग का वाहक मच्छर उन तालाबों में जहाँ स्थाई जलभराव रहता है तथा जिनमें पानी में उगने वाली घास-फूस जैसे जलकुम्भी तथा हाथी घास आदि पायी जाती है, धान के खेत, सिंचाई के लिए नहर और उससे निकली नालियों में अण्डे देता है।

बचाव के उपाय :-

१- शरीर को ढकने वाले पूरे कपड़े पहने।
२- शरीर के खुले भागों पर नीम का तेल, सरसों का तेल या मच्छर रोधी क्रीम का प्रयोग करें।
३- रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।
४- घर की खिड़कियों दरवाजों में जाली का प्रयोग करें।
५- सुअर के बाड़ो, पोल्ट्री फार्म में कीटनाशक दवा का छिड़काव करें।
६- घरों के आसपास पानी एकत्र न होने दें।
७- बच्चों के बचाव पर विशेष ध्यान दें।

उपरोक्त लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र पर प्राथमिक उपचार प्राप्त करें। इस प्रकार का कोई भी रोगी प्रकाश में आने पर जिला सर्विलेन्स अधिकारी के फोन नं. **01334-239902** पर अवश्य जानकारी दें।

जिला मलेरिया अधिकारी	मुख्य चिकित्साधिकारी	जिलाधिकारी
हरिद्वार	हरिद्वार	हरिद्वार